Literacy for a Billion

Movie: Kaajal
Year: 1965

Song: Tora Mann Darpan Kehlaaye
Lyricist: Sahir Ludhianvi

प्राणी अपने प्रभू से पुछे
किस विधि पाऊँ तोहें
प्रभू कहें तू मन को पा ले
पा जाएगा मोंहें
मन दर्पण कहलाए
तोरा मन दर्पण कहलाए
भले बुरे सारे कर्मों को
देखे और दिखाए
तोरा मन दर्पण कहलाए
तोरा मन दर्पण कहलाए

मन ही देवता मन ही ईश्वर
मन से बड़ा ना कोई
मन ही देवता मन ही ईश्वर
मन से बड़ा ना कोई
मन उजियारा
जब जब फैले
जग उजियारा होय
इस उजले दर्पण पर प्राणी
इस उजले दर्पण पर प्राणी
धूल न जमने पाए

तोरा मन दर्पण कहलाए
तोरा मन दर्पण कहलाए
भले बुरे सारे कर्मों को
देखे और दिखाए
तोरा मन दर्पण कहलाए
तोरा मन दर्पण कहलाए

सुख की कलियाँ
दुख के काँटें
मन सब का आधार
सुख की कलियाँ
दुख के काँटें
मन सब का आधार

मन से कोई
बात छुपे ना
मन के नैन हजार
जग से चाहे भाग ले कोई
जग से चाहे भाग ले कोई
मन से भाग ना पाए
तोरा मन दर्पण कहलाए
तोरा मन दर्पण कहलाए
भले बुरे सारे कर्मों को
देखे और दिखाए
तोरा मन दर्पण कहलाए
तोरा मन दर्पण कहलाए

तन की दौलत धनकी छाया
मन का धन अनमोल
तन की दौलत धनकी छाया
मन का धन अनमोल
तन के कारण
मन के धन को मत माटी में रोप
मन की कदर भुलानेवाला
मन की कदर भुलानेवाला

तेरा जन्म गवाये

तोरा मन दर्पण कहलाए
तोरा मन दर्पण कहलाए

भले बुरे सारे कर्मों को
देखे और दिखाए
तोरा मन दर्पण कहलाए
तोरा मन दर्पण कहलाऐ

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.